3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

स्वामी रामतीर्थ की शिक्षाएँ – 'आनंद मंत्र'

संपादक निर्देशन : प्रशांत बाजपेई
चित्र सज्जा : दमनजीत सिंह

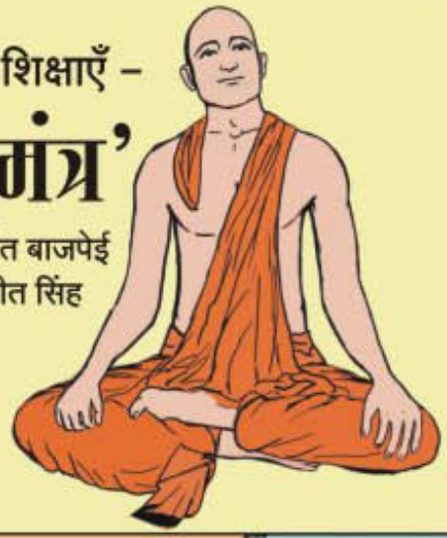

स्वामी रामतीर्थ (१८७३-१९०६) ने स्वामी विवेकानंद की परम्परा को आगे बढ़ाते हुए भारत और भारत के बाहर हिन्दू दर्शन का प्रसार किया। स्वामी जी ने स्त्री शिक्षा पर जोर दिया और जातिगत भेदभाव के विरुद्ध जागरण किया। इनकी वेदांत की शिक्षाओं ने सारी दुनिया के प्रबुद्ध लोगों को आकर्षित किया।

सन् १९०२ में स्वामी रामतीर्थ अमेरिका गए। वहाँ के अनेक गणमान्य और सामान्यजन उनके शिष्य हुए। लोग निरंतर उनसे मिलने आते रहते थे। अमेरिका प्रवास के समय स्वामी जी ने वहाँ के समाज में व्याप्त गोरे काले के भेद पर प्रहार किया और अमेरिकी समाज को सामाजिक समरसता की शिक्षा दी। उनके जन्मदिवस अक्टोबर और निर्वाण दिवस दीपावली के प्रसंग पर प्रस्तुत है एक सु-घटना इसी पर आधारित प्रसंग यहाँ प्रस्तुत है।

3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विश्व कीर्तिमान रचने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र

3, 71, 438
प्रसारण संख्या का विक्रम कीर्तिमान रचने वाली
भारत की एकमात्र बाल पत्रिका

सर्वाधिक प्रसारित हिन्दी बाल मासिक
देवपुत्र